**86. परक्राम्य लिखत पर आधारित रकम की वसूली के लिए वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है -**

1. यह कि प्रतिवादी ने .............. रुपये का वादी की दुकान से तारीख .................. को अपने पुत्र के विवाह के लिए कपड़े खरीदा जिसका ब्यौरा इसके साथ संलग्न की गयी अनुसूची में दिया जाता है और एक पाने वाले का खाता सं. ................. ............ दिनांकित ................. के माध्यम से उसके लिए प्रतिफल रकम का संदाय किया।
2. यह कि वादी ने उसके बैंक के जरिये बैंक को उपर्युक्त चैक प्रस्तुत किया और तारीख .............. को चैक "लेखीवाल को निर्देश" के साथ अनादृत किया गया वापस कर दिया गया है।
3. यह कि सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 37 ................. के नगर में लागू किया गया है और उपर्युक्त रकम इस उपबन्ध के अधीन संक्षिप्त प्रक्रिया के जरिये वसूली जा सकेगी।
4. यह कि वाद हेतुक तारीख ................. को पैदा हुआ जब चैक का अनादर प्रतिवादी के बैंक द्वारा किया गया और इस न्यायालय के पास वाद का विनिश्चय करने की अधिकारिता होती है।
5. यह कि वाद का मूल्यांकन उपर्युक्त रकम ................. रुपये के संदाय का दावा करता है और न्यायालय फीस का उस पर संदाय किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोषः**

वादी प्रतिवादी से सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 37 के अधीन संक्षिप्त प्रक्रिया के जरिये........ ............. रुपये और भुगतान का दावा करता है वाद की तारीख से उसके संदाय तक रकम पर ब्याज का दावा करता है।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी